प्रश्न 1. प्रबन्ध की परिभाषा दीजिए एवं इसकी प्रमुख विशेषताएँ समझाइए।

उत्तर—**प्रबन्ध : अर्थ एवं परिभाषाएँ** (Management : Meaning and Definitions)—**प्रबन्ध की अवधारणा** (Concept of Management)—विभिन्न विद्वानों ने प्रबन्ध शब्द की परिभाषा भिन्न-भिन्न रूपों में दी है। परम्परागत अथवा संकुचित अर्थ में, "प्रबन्ध दूसरे व्यक्तियों से कार्य कराने की युक्ति है। इस प्रकार वह व्यक्ति जो अन्य व्यक्तियों से कार्य कराने की क्षमता रखता है, प्रबन्धक (Manager) कहलाता है।" परन्तु आज के युग में प्रबन्ध केवल अन्य लोगों से काम लेने तक ही सीमित नहीं है, अपितु उपक्रम (Venture) में कार्यरत व्यक्तियों के साथ मिलकर कार्य करने एवं कराने की कला है। विस्तृत अर्थ में, "प्रबन्ध शब्द का अर्थ न केवल व्यापार में, अपितु सभी प्रकार की क्रियाओं में, जहाँ मानवीय श्रम का प्रयोग होता है, किया जाता है।" प्रबन्ध का एक तीसरा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है, **हैरोल्ड कून्ट्ज और ओ' डोनेल** (Harold Koontz and O'Donnell) ने "प्रबन्ध औपचारिक रूप से समूहों में संगठित मनुष्यों से तथा उनके साथ मिल-जुलकर काम कराने व करने की कला है।"

Scanned with CamScanner

प्रबन्ध की विशेषताएँ
(Characteristics or Features of Management)

प्रबन्ध की निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएँ हैं—

(1) **प्रबन्ध एक प्रक्रिया है** (Management is a process)—प्रबन्ध एक प्रक्रिया है क्योंकि इसके अन्तर्गत अनेक कार्य आते हैं जो उद्देश्यों की पूर्ति करते हैं। यह एक सामाजिक प्रक्रिया है क्योंकि प्रबन्धकीय कार्य मुख्यतया लोगों के मध्य सम्बन्धों से सम्बन्धित है। प्रबन्ध एक आर्थिक क्रिया भी है क्योंकि इसमें आर्थिक साधनों का प्रयोग किया जाता है। यह मानवीय क्रियाओं का अत्यन्त महत्वपूर्ण क्षेत्र है।

Scanned with CamScanner

(2) **प्रबन्ध एक सामूहिक क्रिया है** (Management is a group activity)—प्रबन्ध एक सामूहिक क्रिया है। Management is a team work अर्थात् प्रबन्ध हमेशा सामूहिक प्रयासों को महत्व देता है। प्रबन्ध व्यक्तियों का वह समूह है जो किसी संस्था की क्रियाओं का संचालन करता है अर्थात् संस्था के उद्देश्यों की प्राप्ति अनेक व्यक्तियों की सहायता से की जाती है न कि किसी व्यक्ति विशेष के प्रयत्न से। प्रबन्ध का प्रयोग समूह के प्रयत्नों के सन्दर्भ में किया जाता है क्योंकि एक व्यक्ति की अपेक्षा एक संस्था के लक्ष्यों को समूह के द्वारा आसानी से तथा प्रभावपूर्ण तरीके से प्राप्त किया जा सकता है। **एप्ले** ने इसे "अन्य व्यक्तियों का प्रयास" कहा है जबकि **हैरोल्ड कूण्ट्ज** ने इसे "अनौपचारिक संगठित समूह" (Informally organised group) कहा है।

(3) **मानवीय प्रयासों से सम्बन्धित** (Related with human efforts)—प्रबन्ध मानवीय क्रियाओं से सम्बन्धित होता है। प्रबन्ध मानवीय क्रियाओं के नियोजन, संगठन, निर्देशन, समन्वयन एवं नियन्त्रण के द्वारा ही उपक्रम के निष्क्रिय साधनों को गतिशील बनाता है। **कूण्ट्ज** तथा **ओ' डोनेल** के शब्दों में, "शायद प्रबन्ध से अधिक महत्वपूर्ण मानवीय क्रियाओं का कोई अन्य क्षेत्र नहीं है।" मानवीय क्रियाओं से सम्बन्धित होने के कारण ही प्रबन्ध को **"सामाजिक विज्ञान"** (Social Sciences) की संज्ञा दी जाती है।

(4) **प्रबन्ध एक सतत् क्रिया है** (Management is a continuous activity)—व्यवसाय में निरन्तर समस्याओं का समाधान व सुधार करने की आवश्यकता रहती है। इसी कारण प्रबन्ध को एक सतत् क्रिया कहा जाता है। व्यावसायिक इकाइयों के आकार तथा परिस्थितियों की गतिशीलता के कारण यह क्रिया निरन्तर जटिल होती जा रही है।

(5) **प्रबन्ध अधिकारों की शृंखला है** (Management is a hierarchy of authority)—एक संगठन में प्रबन्ध के विभिन्न स्तर पाये जाते हैं। प्रत्येक निम्न स्तर उच्च स्तर से अधिकार प्राप्त करता है एवं उसके प्रति जवाबदेह होता है। परिणामस्वरूप प्रबन्ध का एक ढाँचा तैयार हो जाता है।

(6) **सार्वभौमिक प्रक्रिया** (Universal process)—प्रबन्ध की क्रिया सभी संस्थाओं में चाहे वह व्यावसायिक संस्था हो या सामाजिक, राजनैतिक हो या धार्मिक, समान रूप से सम्पन्न की जाती है। कोई भी संस्था जिसका लक्ष्य सामूहिक प्रयासों में प्राप्त हो उसे अनिवार्य रूप से अपनी क्रियाओं का नियोजन, संगठन, निर्देशन एवं नियन्त्रण करना पड़ता है। **"प्रबन्ध के सिद्धान्त विश्वव्यापी हैं। किसी भी उपक्रम में जहाँ मनुष्यों के समन्वित प्रयास होते हैं, प्रबन्ध के सिद्धान्त लागू किए जा सकते हैं।"**

(7) **प्रबन्ध कला एवं विज्ञान दोनों है** (Management is an art as well as science)—प्रबन्ध कला भी है और विज्ञान भी क्योंकि इसके वैज्ञानिक एवं कलात्मक रूपों को अलग

Scanned with CamScanner

नहीं किया जा सकता है। कला के रूप में प्रबन्ध में व्यावहारिक ज्ञान, निपुणता, रचनात्मक उद्देश्य एवं अभ्यास द्वारा विकास आदि विशेषताएँ हैं और विज्ञान के रूप में कारण और परिणाम का सम्बन्ध, नियमों का परीक्षण, योग्यता व परिणामों का पूर्वानुमान आदि विशेषताएँ हैं। अत: प्रबन्ध कला और विज्ञान दोनों है।

(8) **प्रबन्ध एक सामाजिक क्रिया है** (Management is a social process)—प्रबन्ध का मुख्य रूप से सम्बन्ध व्यवसाय के मानवीय पक्ष से होता है। संस्था के सभी कर्मचारी समाज के ही अंग होते हैं। अत: इनका नेतृत्व व निर्देशन सामाजिक क्रिया के ही अंग हुए। वर्तमान में व्यवसाय ने भी अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को स्वीकार कर लिया है। इस सन्दर्भ में **ब्रेच** (Brech) के अनुसार, "प्रबन्ध में मानवीय तत्व का होना सामाजिक क्रिया का विशेष लक्षण प्रदान करता है।" वास्तव में प्रबन्ध एक सामाजिक क्रिया है क्योंकि मुख्य रूप से इसका सम्बन्ध व्यवसाय के मानवीय तत्व से है।

Scanned with CamScanner